



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hindustan Times	3.7.2022	--	--

CCS HAU and GJU tie up for research pursuits



Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has inked a pact with Guru Jambeshwar University of Science & Technology, Hisar under which both the institutions will cooperate with each other in their academic and research pursuits. The MoU was signed on June 29.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट समाचार	३. ७. २२	५	१५

प्रदेश के किसानों को मिलेंगे आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज : काम्बोज

विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से किया समझौता

हिसार, 2 जुलाई (विंड वर्ष) : हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेंगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहनी ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।



एमओयू पर हस्ताक्षर के दोस्त मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर.

काम्बोज के साथ हैं अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

हरियाणा बनेगा आलू उपचार और उपचारकर्ता में वृद्धि के आलू की 16 किस्में विकसित

साथ इसके अंतर्गत क्षेत्र में भी वृद्धि प्रो. काम्बोज ने बताया कि

होंगी जिसके परिणामस्वरूप किसानों

की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश में

समन्वित अनुसंधान परियोजना के

रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इन्होंने

अंतर्गत आलू की अवधि 16 किस्में

बताया उपरोक्त समझौते के तहत विकसित की है। इनमें से कुफरी

अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा विकसित

आलू की उपचार व योग प्रतिरोधकता

में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को साझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

और कुफरी पुखारज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने बताया कि 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी ब्रह्मर और कुफरी पुखर किस्मों का 401.73 हिंटल बीज उपचार किया गया था।

इस अवसर पर पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहनी ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू शक्तिकंद्र और कंटों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है। समझौते पर हस्ताक्षर करने समय प्रानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ठांगड़ा, सक्षी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के

आलू की उपचार व योग प्रतिरोधकता

सततुज, कुफरी पुक, कुफरी छ्याति



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाब मेसरी	३. ७. २२	५	३-६

हरियाणा के किसानों को निलोंगे आलू की तापयोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताथील बीज : प्रो. काम्बोज

» विश्वविद्यालय ने
अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के
साथ किया समझौता

हिसार, २ जूलाई (ब्यूरो): हरियाणा के किसानों को आलू की तापयोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताथील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पीढ़ि



एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अंतर्राष्ट्रीय सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम गर्मा जवाहिर अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के सेत्रीय

विश्वविद्यालय ने अधिकारी समन्वय अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकासित की हैं। इनमें से कुफरी बदगाह, कुफरी बहार, कुफरी मतलुज, कुफरी पुकार, कुफरी लयाति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूमान्बार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१८१८५० जागरूक	३.७.२२	१	१-४

हरियाणा के किसान भी आलू उगा ले सकेंगे मुनाफा



एप्रेल २०२२ पर हस्ताक्षर के दैरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुर्सियां प्राप्त, बीआर कार्यालय के साथ अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र और विश्वविद्यालय के अधिकारी। • एण्ट्री

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के किसानों को आलू की तापवर्धी उन्नत किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पैरू देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों के उपलब्ध कराएगा।

कुर्सियां प्राप्त, बी.आर. कार्यालय की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा जबकि अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की ओर से पश्चिम के क्षेत्रीय निदेशक डा. समरेन्दु मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

हरियाणा बनेगा अलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केंद्र : इस अवसर पर कुर्सियां डा. कोंबोज ने बताया कि हमारा

अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र 20 से अधिक केंद्रों पर कर रहा शोध इस अवसर पर पैरू की राजधानी लीमा रियत अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डा. समरेन्दु मोहंती ने बताया कि इस केंद्र द्वारा आलू शक्तिकंद्र और कट्टी पर अधीक्षक, एशिया और लेटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है।

उद्देश्य हरियाणा प्रदेश की आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन करने के उत्पादन केंद्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तायुक्त रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ि देश के साथ इसके तहत क्षेत्र में भी बढ़ि होंगे जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदानी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में ब्रेट प्रदर्शन करने वाली

किस्मों का बीज प्राप्त करके उत्पादन करीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अंतरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को साझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का सम्मत निर्णय भी किया जाएगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने की आलू की 10 किमी विकसित :

विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वय अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अव तक 16

किमी विकसित की है। इनमें से कुकरी बादशाह, कुकरी बडार, कुकरी सतलुज, कुकरी पुष्कर, कुकरी

समझौते पर हस्ताक्षर करते समय वे भी रहे भौजूद : समझौते पर हस्ताक्षर करते समय मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता, औएसडी डा. अनुल ढीमगड़ा, सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. टीपी मरितक, डा. जयेंद्र टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभूत’ (उजाला)	५-७-२२	६	५-४

किसानों को मिलेंगे आलू के तापरोधी उन्नत किस्म के बीज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि ने पेरु देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के साथ किया समझौता

अमर उजाला अूरो

हिसार। हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और पेरु देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार विवि आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संरक्षण करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

कुलपति प्रौ. बीआर कार्यालय की उपरिस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र

की ओर से एंशिया के खेत्रीय प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहंती ने गर्म देश में ब्रेट प्रदर्शन करने वाली अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केंद्र बनाना है। इससे किसानों को परीक्षण और संरक्षण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को साझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

20 से अधिक केंद्रों पर कर रहा शोध : पेरु की राजधानी लीमा वृद्धि के साथ इसके अंतर्गत बेत्र में भी वृद्धि होती, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी बढ़ती और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होते।

उन्होंने बताया उपरोक्त समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग

एचएयू ने विकसित की आलू की 16 किस्में

कुलपति प्रौ. कार्यालय ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की जब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी मतलुज, कुफरी पुकर, कुफरी ल्याति और कुफरी पुखराज किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया वर्ष 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुकर किस्मों का 401.73



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	३.७.२२	३	६.८

किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज मिलेंगे

विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र के साथ किया समझौता

मास्टर न्यूज़ हिसर

हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेंच देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से आलू की उच्च गुणवत्ताहृक पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करता और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाता। कुलपति डॉ. वी. आर. कामवेज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के लेट्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहनी ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने की आलू की 16 किस्में विकसित

प्रो. कामवेज ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अधिक भारतीय सम्बद्ध अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी लगाती और कुफरी पुष्कर आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया कि 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 किलोटन बीज उत्पादन किया गया था।

प्रदेश में बनेगा बीज उत्पादन केन्द्र कूलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश का आलू गुणवत्ताहृक बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। उन्होंने बताया कि तहत अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण आसीका जैसे गर्म देश में शेष प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ग्रीष्मोनिकियों और विकियों को संडाकने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

20 से अधिक केन्द्रों पर शोध पेंच की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के लेट्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहनी ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू, शक्करबूट और केंद्रों पर आसीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कर्म किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद समझौते पर हस्ताक्षर करते समय मास्टर संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओपसडी डॉ. अहुल ढीगड़ा, सम्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयती टोमस सहित अन्य अधिकारी रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	3.7.2022	--	--

हरियाणा के किसानों को मिलेंगे आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय आल केन्द्र के साथ किया समझौता

पाठ्यक्रम पर्याप्त नहीं।
दिवस, ३ जुलाई : हरियाणा के किसानों को अबू की गारीबी उनका कियोंग के गुप्तविद्यालय के उपरांत हो गई। इसके बाद चौथे दिन चिह्न दरण चिह्न हरियाणा की विश्वविद्यालय और एक दूसरे देश के अंतर्राष्ट्रीय उत्तर केन्द्र के बीच समझौतों के लिए एक अनुबंध हो गया है। अनुबंध के अनुसार चौथे दिन चिह्न दरण हरियाणा की विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध से अबू की उच्च गुप्तविद्यालय पर्याप्त सम्पत्ति प्राप्त करके उसका मंत्रालय होगा और इसके लियामें को उत्तरांश भरवायगा। कुलकर्णी प्रो. डॉ. अशोक काकड़ाया की उत्तरांश विश्वविद्यालय की ओर अनुसंधान विदेशक डॉ. जीवन राम जब्लनी अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध की ओर से परिवार के लिये विदेशक डॉ. समन्वन् योहोनी अनुबंध पर पर हस्ताक्षर किए।

हरियाली बनाए आए
मुख्यतावान् युवती जल्दी उत्तराखण्ड के
इस अवसर पर कुलपति
कहा कि हमारा उत्तराखण्ड हरियाली
प्रदेश को अब एक समृद्धि की



उत्तराधिन देवद बनवा है। इसके किसानों को पुण्यवार्षीय गेंग मुक्त आपूर्व का फौज उत्तराधिन हो सकता। इससे आपूर्व के उत्तराधिन और उत्तराधिन में शारद के बाहर इनके अलालोक भूमि का बहुत होमी विद्युतके पर्याप्ततमाकांक्षा किसानों की अपमानी बढ़ती हो और इनमें ऐतिहासिक देवद के बाहर आपूर्व और उत्तराधिन उत्तराधिन समझोती के द्वारा अंतराधिन अनुभव द्वारा विविधता अनुभव द्वारा उत्तराधिन व गोप्य विद्युतकांकों में विविध उत्तराधिन समझोती गम्भीर देवद में बोल्ड उत्तराधिन करने वाली एक जगत् प्राचीन कारक उत्तराधिन परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अधिकारिक प्रशासनिकों और विधायिकों को सम्मान करने के साथ संविधानसभा के विधायिकों और विधायिकों का

वापरा विधीन में किया जाएगा।
हार्दिकाणा कृषि
विषयविभागालय पे वडी आलू की
16 विधेयम विधेयम
दो वर्षों तक वापरा ने वापरा कि
विषयविभागालय पे वडी आलू भारतीय
सम्बन्धित अनुसंधान परियोजना के
अंतर्गत आलू को अब तक 16
विधेयम विधेयम की है। इनमें से
कुछ ही वापरा, कुछ ही वापरा,
कुपकी सप्तमुख, कुपकी पुष्टर
कुपकी छायित और कुपकी पुष्टर
आदि किसी हार्दिकाणा में बहुत
प्रभित है। उन्होंने वापरा 2011-2012
वापरा विभागालय द्वारा कुपकी वापरा
और कुपकी पुष्टर किसी का
401.75 हिंड्रा लीच उत्पादन
किया गया था।
अंतरार्द्दृष्टि आलू केन्द्र 20

से अधिक केन्द्रीय पर कर गया था। इस अवसर पर ऐसे जीव राजपती लोगों ने जीव अंतर्राष्ट्रीय अलौकिक के लंबें बनाए रखा था। यह समझौते लोगों ने जीवका कि जीव को द्वारा आया, जीवको कि जीव में पर अधिक, जीवित अधिक अस्तित्व को 20 से अधिक दृष्टि में सोच कर्म विद्या का गठन किया है।

समझते पर हमारकर करने
मध्य ये भी रहे घोड़ा
समझते पर हमारकर करने
मध्य मानव समाज इतिहास
निरंतर तो मृत महत, और एक तो
तमूल धैर्य, सच्ची विश्वास
प्रिया है तो यह तो, ये पौर
योगिक, तो वक्ते टोकन यही
अन्य अधिकारी उभयनाथ ये।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	27.2.2022	--	--

किसानों को रोग मुक्त व गुणवत्तापूर्ण आलू का बीज उपलब्ध करवाने के लिए हकूमि और पेरु में अनुबंध

हिसार/ 30 जन/ रिपोर्टर

प्रदेश के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरु देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार हकूमि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त गोध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रौ. बीआर काम्योज को उपस्थिति में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहनी ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ इसके अंतर्गत क्षेत्र में भी वृद्धि होगी। जिसके परिणामस्वरूप किसानों को आमदानी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया उपरोक्त समझौते के तहत अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा



विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ग्रीष्मीयगिरियों और विधियों को संज्ञा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा। प्रौ. काम्योज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी खाति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने

बताया कि 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 किंटल बीज उत्पादन किया गया था। इस अवसर पर पेरु की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहनी ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू शकरकंद और कंटों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, औएसडी डॉ. अनुल दीगङ्गा, सभी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एनकॉलम	३-७-२२	४	३-४

एचएयू के कर्मचारियों को मिलेगी कैशलेस सुविधा

अन्य मांगों को लेकर कुलपति से की वार्ता

भारकर न्हूज | हिसार

एचएयू में कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल की सुविधा तथा अन्य मांगों पर कर्मचारियों की प्रशासन से सहमति बन गई है। जल्द ही मांगों के पूरा होने की संभावना है।

एचएयू के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमण्डल ने विविक कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ बैठक की। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि विविक सभी कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल की सुविधा लागू कर दी गई है तथा कैशलेस मेडिकल कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। हैटिया संघ के प्रधान दिनेश कुमार राड ने बताया कि कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने वाला एचएयू हरियाणा का पहला विवि है तथा यह सुविधा कुलपति, कुलसचिव डॉ. एस.के. मेहता, लेखानियन्नता

नवीन जैन और उनके कार्यालय के कर्मचारियों व अधिकारियों के व्यक्तिगत प्रयास से सम्भव हुआ है। हैटिया की कुछ लम्बित मांगें जिनमें मुख्यतः 240 नए मकान बनवाने, पुराने सभी प्रकार के मकानों की पूर्ण मुरम्मत करवाने, सामुदायिक केन्द्र को पूर्ण मुरम्मत, ओपन जिम लगाने एवं वातानूकलित करने आदि की मांगों को पूर्ण करने हेतु विवि की तरफ से निविदाएं जारी कर दी गई हैं।

हैटिया महासचिव रामपाल ने बताया कि बैठक में गैरशिक्षक कर्मचारियों की अन्य लम्बित मांगें जिनमें मुख्यतः समय सारणी में बदलाव, अधीक्षक के पद से लेखा अधिकारी के पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्नति, सहायकों की वरिष्ठता सूची जल्द जारी करने आदि मांगे प्रमुख रही। जिन पर कुलपति ने सहमति प्रकट की तथा जल्द से जल्द पूरी करने के आदेश जारी करने का आश्वासन दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उजाला	३.७.२२	२	७-८

एचएयू : कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल स्कीम लागू

माइ सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल की सुविधा लागू करने पर सहमति बन गई है। गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज के साथ बैठक की। कैशलेस मेडिकल कार्ड बनाने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू कर दी जाएगी।

हॉटिया के प्रधान दिनेश कुमार राड़ ने बताया कि कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने वाला एचएयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, कुलसचिव महोदय डॉ. एसके मेहता, लेखानियंत्रक नवीन जैन के विशेष प्रयास से संभव हुआ है। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि कुछ मांगें लंबित हैं, जिनमें 240 नए मकान बनवाने, पुराने सभी प्रकार के मकानों की पूर्ण मरम्मत करवाने,



एचएयू के कुलपति को पुष्प गृह्ण भेंट कर आमार जताते गैर शिक्षक कर्मी। संवाद

सामुदायिक केंद्र की पूर्ण मरम्मत, ओपन जिम लागाने व वातानुकूलित करना शामिल हैं। हॉटिया महासचिव रामपाल ने बताया कि बैठक में समय सारणी में बदलाव, अधीक्षक के पद से लेखा अधिकारी के पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्तति सहित मांगों को रखा गया। इस मौके पर रमेश कुमार कांटिवाल, रामकीर्तन यादव, सुरेंद्र कुमार राठी, सुभाष चंद्र शर्मा, भगवान दास, कुलदीप डाबडा, रोहतास, सुनील रहे।